Content

: 10 :

:: अनुक्रमणिका ::

प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश : § 001- 069 §

प्रास्ताविक — दलित चेतना से तात्पर्य -- दलित-चेतना के विभिन्न स्तर -- दलितों पर थोपी गयीं निर्योग्यताएं — दलितों के विभिन्न वर्ग — जातिगत संस्तरण — दलितोत्थान के प्रयत्न — उसमें नवजागरण की भूमिका — अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की समस्याओं के निवारण हेतु किए गए संस्थागत एवं सरकारी प्रयास — कुछ महापुरुषों का योगदान — निष्कर्ष -- सन्दर्भानुक्रम ।

द्वितीय अध्याय : प्रेमचन्दकाल के दलित-चेतना संपन्न उपन्यास : §070- 113 §

प्रास्ताविक — बुधुआ की बेटी — कर्मभूमि -- गोदान — प्रेमचन्द के अन्य उपन्यास — अलका -- निरूपमा — कुल्ली भाट -- अंतिम आकांक्षा -- प्रेमचन्दयुगीन दलित-चेतना से अनुप्राणित उपन्यासों पर एक विहंगम दृष्टि -- निष्कर्ष -- सन्दर्भानुक्रम ।

तृतीय अध्याय : प्रेमचन्दोत्तरकाल के दलित चेतना से अनुप्राणित उपन्यास : § 114- 160 §

प्रास्ताविक -- गोली — बगुला के पंख — उदयास्त — कब तक पुकारूं ? — सरकार तुम्हारी आंखों में -- जुनिया — देवदासी - गरीब — जमीनदार — कभी न कभी -- अधूरी नारी -- पीले पत्ते — मालिन — निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

चतुर्थ अध्याय : स्वातंत्र्योत्तरकाल के दलित चेतना से अनुप्राणित हिन्दी उपन्यास ‹ 1948- अद्यावधि ›- ‹161-276›

प्रास्ताविक -- मैला आँचल -- मंगलोदय -- नदी के मोड़ पर -- मोतिया -- एक अकेला -- नयी बिसात -- एक टुकड़ा इतिहास -- जल टूटता हुआ -- सूखता हुआ तालाब -- सागर लहरें और मनुष्य -- नाच्यौ बहुत गोपाल -- रेतीला मोती -- पुराण-पुरुष -- टपरेवाले -- मकान दर मकान -- धरती धन न अपना -- महाभोज -- नागवल्लरी -- चानी -- छाको की वापसी -- अमीना -- नदी का शोर -- अभिशाप -- सबसे बड़ा छल -- सोनभद्र की राधा -- सीताराम नमस्कार -- छोटी बहू -- एकलव्य -- अन्य उपन्यास -- निष्कर्ष -- सन्दर्भानुक्रम ।

पंचम अध्याय : दलित-जीवन की समस्याएँ ‹1› : ‹ 277-348 ›

प्रास्ताविक -- सामाजिक समस्याएँ : अस्पृश्यता की समस्या, दलितों के अपमान की समस्या, दलितों पर होने वाले अत्याचार और अन्याय की समस्या, दलित स्त्रियों के यौन-शोषण की समस्या, दलित जातियों में भी संस्तरण ‹ Hierarchy › की समस्या, छोटी जाति की स्त्री और ऊँची जाति के पुरुष के बीच विवाह की समस्या ‹ Hypergamy ›, ऊँची जाति की स्त्री और छोटी जाति के पुरुष के विवाह की समस्या ‹ Hypo ›, सवर्ण-दलित-मानसिकता की समस्या ।

‹2› पारिवारिक समस्याएँ : पति-पत्नी संबंध -- भाई-बहन संबंध, पिता-पुत्र संबंध, पिता-पुत्री संबंध, पुत्री-माता संबंध ।

‹3› आर्थिक समस्याएँ : गरीबी की समस्या, बेगारी की समस्या, बेकारी की समस्या ।

निष्कर्ष — सन्दर्भानुक्रम ।

षष्ठ अध्याय : दलित-जीवन की समस्याएँ §2§ : § 349- 414 §

प्रास्ताविक -- §1§ धार्मिक समस्याएँ : धर्म और अस्पृश्यता की समस्या , मंदिर-प्रवेश की समस्या , धर्म के नाम पर दलितों के साथ राजनीति करने की समस्या , दलित जातियों द्वारा धर्मान्तरण की समस्या ।

§2§ नैतिक समस्याएँ : ऊँची जातियों का दृष्टिकोण -- दलित जातियों का दृष्टिकोण ।

§3§ संस्कारगत समस्याएँ :

§4§ शैक्षिक समस्याएँ

§5§ मनोवैज्ञानिक समस्याएँ

दलित-वर्ग की आशा-आकांक्षाएँ

दलित वर्ग की कमजोरियाँ

निष्कर्ष -- सन्दर्भानुक्रम ।

सप्तम् अध्याय : उपसंहार § 415-430 §

समग्रावलोकन पर आधारित निष्कर्ष -- विषय का महत्व -- उपलब्धियाँ -- भविष्यत् संभावनाएँ ।

सन्दर्भिका :

§1§ परिशिष्ट - स : आलोच्य उपन्यासों की सूची

§2§ परिशिष्ट - र : सहायक-ग्रंथों की सूची § हिन्दी-अंग्रेजी §

§3§ परिशिष्ट - ग : कोश-ग्रंथों की सूची

§4§ परिशिष्ट - म : पत्र-पत्रिकाएँ

xxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxxx